अनुकूल मांग वाली परिस्थितियों के बीच कारोबारी गतिविधियों में सुधार

सेवा क्षेत्र की रफ्तार दशक के शीर्ष पर

अच्छी खबर 1

नई दिल्ली | एजेंसी

भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अक्तूबर में पिछले 10.5 साल में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ी हैं। जनवरी, 2012 के बाद यह सबसे तेज विस्तार है। एक मासिक सर्वे में बुधवार को कहा गया है कि अनुकूल मांग परिस्थितियों के बीच कारोबारी गतिविधियों में सुधार से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां भी तेज हुई हैं।

मौसमी चक्र के साथ समायोजित भारत का सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक अक्तूबर माह में बढ़कर 58.4 पर पहुंच गया। सितंबर में यह 55.2 पर था। सर्वे में शामिल कंपनियों के अनुसार, नए कारोबार में बढ़ोतरी से उत्पादन में पिछले एक दशक से भी ज्यादा में सबसे तेज वृद्धि हुई है। इसके चलते अधिक रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ।

हालांकि, मुद्रास्फीतिक चिंताओं के बीच कारोबारी भरोसा कमजोर बना हुआ है। लगातार तीसरे महीने सेवा क्षेत्र के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। 50 से ऊपर होने पर खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) विस्तार को दिखाता है, जबकि इससे नीचे रहने पर यह गिरावट को दर्शाता है। आईएचएस मार्किट में सहायक निदेशक-अर्थशास्त्र, पोलिएन्ना डि लीमा ने कहा, इस क्षेत्र में पुनरुद्धार का यह लगातार तीसरा महीना रहा।

कंपनियों की गतिविधियां 10.5 साल में सबसे तेजी से बढ़ी हैं। इससे रोजगार के अधिक अवसर भी पैदा हुए हैं। लीमा ने कहा कि मूल्य के मोर्चे पर बात की जाए, तो उत्पादन की लागत में तेज बढ़ोतरी हुई है लेकिन कंपनियों ने अपना शुल्क भी पिछले करीब साढ़े साल में सबसे तेजी से बढ़ाया है।

2012 जनवरी के बाद इस साल अक्तूबर में सबसे तेज रफ्तार

58. अंक पर सेवा व्यवसाय सूचकांक अक्तबूर में बढ़कर

ईंधन की ऊंची कीमत को लेकर चिंता बरकरार

सर्वे में शामिल कंपनियों ने ईंधन की ऊंची कीमत, सामग्री, खुदरा, कर्मचारियों तथा परिवहन की ऊंची लागत का हवाला दिया है। उन्होंने कहा, सेवा क्षेत्र की कंपनियों का मानना है कि मुद्रास्फीतिक दबाव से आगामी वर्ष में वृद्धि प्रभावित हो सकती है। कारोबारी भरोसा कमजोर बना हुआ है। सर्वे के अनुसार, सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने अक्तूबर में अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति की है। हालांकि, यह वृद्धि बहुत तेज नहीं है लेकिन सितंबर की तुलना में बढ़ी है। इसके अलावा फरवरी, 2020 से सेवा क्षेत्र में नियुक्तियां सबसे तेज रही हैं।

सितंबर में क्रेडिट कार्ड से खर्च में 57% का इजाफा

2

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन की वजह से क्रेडिट कार्ड से खर्च का आंकड़ा सितंबर में सालाना आधार पर 57% बढ़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में क्रेडिट कार्ड से कुल 80,477.18 करोड़ रुपये खर्च हुए, जबकि अगस्त में यह खर्च 77,981 करोड़ रुपये था। मासिक आधार पर 3.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले साल की इसी अवधि में क्रेडिट कार्ड से 51,356.68 करोड़ खर्च किए गए। जुलाई में, क्रेडिट कार्ड खर्च 75,119 करोड़ रुपये था। क्रेडिट कार्ड का खर्च महामारी से पहले के स्तरों की तुलना में बहुत अधिक है। 2020 के जनवरी और फरवरी में, क्रेडिट कार्ड खर्च क्रमशः 67,402.25 करोड़ व 62,902.93 करोड़ रुपये था।

प्रति कार्ड औसत खर्च भी बढ़ा: प्रति कार्ड खर्च छह महीनों में औसतन 10,700 से बढ़कर 12,400 रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक ने 20,221 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक ने 17,268 करोड़ रुपये और एसबीआई कार्ड्स ने 14,698 करोड़ रुपये का खर्च दर्ज किया।